भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 3914

उत्तर देने की तारीख - 18/08/2025

सोमवार, 27 श्रावण, 1947 (शक)

योग कौशल पाठ्यक्रम

3914. श्री बृजमोहन अग्रवाल:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा योग कौशल के लिए कितने पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और प्रत्येक पाठ्यक्रम की अवधि कितनी है;

(ख) वित्तीय वर्ष 2023-2024 और 2024-2025 के लिए इन पाठ्यक्रमों के लाभार्थियों का छत्तीसगढ़ सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार आंकड़ा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान छत्तीसगढ़ सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार योग में प्रशिक्षित पेशेवरों की अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्लेसमेंट की संख्या कितनी है;

(घ) क्या प्रशिक्षित छात्रों को प्लेसमेंट और अन्य सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा कोई पोर्टल बनाया गया है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख) : भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न स्कीमों, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों आदि के एक व्यापक नेटवर्क के माध्यम से देश भर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों सहित समाज के सभी वर्गों को कौशल, पुनः-कौशलीकरण और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। कौशल भारत मिशन का उद्देश्य भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना और उन्हें उद्योग-संबंधित कौशल से सुसज्जित करना है।

पीएमकेवीवाई के अंतर्गत, 'योग अनुदेशक', 'योग प्रशिक्षक' और 'सहायक योग अनुदेशक' पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों की सामान्य अवधि 200 से 500 घंटे (लगभग 3 से 6 महीने) तक होती है, जिसमें शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, आसन, प्राणायाम, ध्यान तकनीक और शिक्षण पद्धति में सैद्धांतिक निर्देश और व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल होता है। वर्ष 2023-24 और वर्ष 2024-25 के दौरान पीएमकेवीवाई के अंतर्गत इन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित उम्मीदवारों का राज्य-वार ब्योरा **अनुबंध** में दिया गया है।

सीटीएस के अंतर्गत भी, 'कॉस्मेटोलॉजी' और 'स्पा थेरेपी' ट्रेडों के अंतर्गत दीर्घकालिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही, एनएपीएस के अंतर्गत, प्रतिष्ठानों द्वारा 'योग सहायक - खेल', 'योग अनुदेशक (ब्यूटी एंड वेलनेस)', 'योग प्रशिक्षक– खेल, जैसे ट्रेडों में शिक्षुओं को नियुक्त किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) विभिन्न शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। एमडीएनआईवाई के इन कार्यक्रमों के अंतर्गत, वर्ष 2023-24 में कुल 3018 लाभार्थी और वर्ष 2024-25 में 3006 लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं।

(ग) से (ङ): कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की स्कीमों में, वर्ष 2015-16 से वर्ष 2021-22 तक कार्यान्वित पहले तीन संस्करणों (पीएमवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0) में पीएमकेवीवाई के अल्पकालिक प्रशिक्षण घटक के अंतर्गत प्लेसमेंट पर नज़र रखी गई । पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर पथ चुनने के लिए सशक्त बनाने और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से अभिविन्यस्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) जैसे विभिन्न आईटी टूल्स भी यह अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही, योग और स्वास्थ्य संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित उम्मीदवारों को स्वास्थ्य केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों, फिटनेस सुविधाओं और स्वरोजगार में अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एमएसडीई ने स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) नामक एक एकीकृत मंच शुरू किया है जो कौशल, शिक्षा, रोज़गार और उद्यमशीलता इकोसिस्टम को एकीकृत करके जीवन भर सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का विवरण संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए सिद्ध पोर्टल

पर उपलब्ध है। सिद्ध के माध्यम से, उम्मीदवार नौकरियों और शिक्षुता के अवसरों तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रमाणित उम्मीदवारों को प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करने के लिए रोज़गार मेले और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले (पीएमएनएएम) का आयोजन किया गया है।

अनुबंध

'योग कौशल पाठ्यक्रम' के सबंध में दिनांक 18.08.2025 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3914 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

2023-24 और 2024-25 के दौरान पीएमकेवीवाई के तहत योग संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित उम्मीदवारों का राज्यवार विवरण

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	**2023-24**	**2024-25**
आंध्र प्रदेश	60	59
अरुणाचल प्रदेश	30	70
असम	86	165
बिहार	-	169
छत्तीसगढ	**131**	**160**
दिल्ली	143	596
गुजरात	47	160
हरियाणा	248	2,441
हिमाचल प्रदेश	-	110
जम्मू और कश्मीर	32	315
झारखंड	-	375
कर्नाटक	138	55
केरल	215	248
लद्दाख	-	44
मध्य प्रदेश	143	2,006
महाराष्ट्र	249	386
मणिपुर	-	134
मेघालय	-	190
ओडिशा	331	385
पंजाब	112	1,979
राजस्थान	237	4,390
तमिलनाडु	44	250
तेलंगाना	-	40
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	22	-
त्रिपुरा	-	-
उत्तर प्रदेश	789	4,697
उत्तराखंड	156	1,083
पश्चिम बंगाल	80	134
कुल योग	**3,293**	**20,641**

****